



# ANAHITA



**PIG GOVERNMENT COLLEGE FOR WOMEN, JIND**  
**(NAAC ACCREDITED 'GRADE - B') {2021-22}**



# Message from The Principal's Desk



“Education is the most powerful weapon which you can use to change the world.” Education is the manifestation of love and my most cherished possession. Education drives away ignorance and through illumination, it emboldens a man to a righteous thought and action. It empowers a woman and enlarges the horizon of her mind. It energizes a society and enables individuals to earn their living with respect and praise. The wheel of excellence and continual progress has been steered with values & conventions as its fulcrum, quality education, and constant improvement in infrastructure, educational technology, teaching and learning processes as its spokes to fortify innumerable efforts to set the wheel on its track. I am extremely sanguine that P.I.G Government College for Girls since its genesis years has offered itself as a shell for sheltering & fostering human mind in

their raw state to be matured into empowered innovators.

Our college magazine "ANAHITA" is a fountain of innovation to unlock the hidden skill and potential of students. The college magazine enables students to demonstrate their unseen skills, I hope that this College - Magazine will encourage my dear students to ascend higher and higher in life. Come on, let's give our best and make this institution a modern temple of learning through our diligence, devotion and dedication.

Sh. Jai Narain Gahlawat  
Principal  
G.C.W. JIND



# Message



Mrs. Urmila Sharma  
Chief Editor

I feel privileged to be a part of college E- Magazine Anahita. Keeping in view the paperless work culture, we are stepping ahead and this is a matter of immense pleasure that the fourth edition of Anahita is presenting here. And for this I am thankful to all the members of Editorial Board for their best efforts.

Special thanks to pooja ,a student of B.A.Final, English Hons., for her technical support in designing the magazine. I am grateful to Hon'ble Principal Sir for his co-operation and motivation . Thank you to all my dear students for being a part of our Anahita



# Message



Dr. Partibha  
Sub Editor

It gives me immense pleasure to put forward a few words in the annual magazine Anahita. This magazine is very helpful in providing wonderful and creative space for students. It gives a platform to the students for exhibiting their creative abilities. Anahita is nothing but a glimpse of the skills of our students. I am thankful to Hon'ble Principal Sir for giving me an opportunity to work as a Sub Editor. I am also thankful to Editorial Board and students for their hard work and devotion.



# Editorial Board



Mrs. Urmila Sharma  
Chief Editor



Dr. Partibha  
Sub Editor



Mrs. Amarjeet Kaur  
Section Editor of  
English



Dr. Sumita Ashri  
Section Editor of  
Women Cell



Dr. Manisha  
Section Editor of  
Commerce



Mrs. Suman  
Section Editor of  
Sanskrit



# Editorial Board



Dr. Manoj Kumar  
Section Editor of  
Science



Sh. Ajit Singh  
Section Editor of  
Earth Science



Dr. Ramesh  
Section Editor of  
News Section



Sh. Dinesh  
Section Editor of  
Hindi



Technical Supporter  
Miss Pooja  
B.A. Final Eng. Hons.



# Student Editorial Board



Miss Pooja B.A. final Eng. Hons.  
( Editor of English)



Miss Komal B.A. 1 ( Editor of  
Hindi)



Miss Shreya B.Sc (CS) final ( Edi-  
tor of Science)



Bhavya B.A. final Eng. Hons.  
( Editor of women cell)



Miss Rinku B.A. final ( Editor of  
Sanskrit)

Vanshika Jain B.Com 2nd ( Editor  
of Commerce)

Miss Pinki B.A. 1 ( Editor of Earth  
Science)





# ARTICLES

# सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 भारतीय नागरिकों को सरकारों, उनकी शाखाओं तथा सरकारी धनराशी से पोषित संगठनों के पास संरक्षित तथा संकलित सूचना तक पहुंच का अधिकार देता है। इसका उद्देश्य नागरिकों को जानकारी तथा जागरूक बनाकर प्रशासनिक व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त व पारदर्शी बनाना है। इस अधिनियम में नागरिकों को केवल सूचना का अधिकार ही प्रदान नहीं किया गया है बल्कि सूचना किस प्रकार प्राप्त की जाएगी तथा संबंधित अधिकारी उसे कितने समय में प्रदान करेगा, इसकी विस्तृत व्यवस्था की गई है। इस अधिकार में नागरिकों को सूचना प्राप्त करने तथा सूचना से संबंधित रिकॉर्ड के निरीक्षण का अधिकार शामिल है।

सूचना प्राप्त करने का इच्छुक एक नागरिक साधारण कागज पर जन सूचना अधिकारी के नाम आवेदन भेजकर सूचना प्रदान करने का अनुरोध कर सकता है। आवेदन के साथ उसे सरकार द्वारा निर्धारित आवेदन शुल्क जमा करवाना होता है। इसके अलावा उसे प्रदान की जाने वाली सूचना के एवज में प्रति पृष्ठ की दर से निश्चित की गई राशि भी जमा करवानी पड़ती है। हरियाणा सरकार में इस समय 10/- आवेदन शुल्क तथा 2/- प्रति पृष्ठ की दर से राशि अदा करने का प्रावधान है। यह राशि नकद, ट्रेजरी चालान, डिमांड ड्राफ्ट, इंडियन पोस्टल ऑर्डर के माध्यम से पब्लिक अथॉरिटी के नाम जमा करवानी होती है। गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी में आने वाले नागरिकों को आवेदन शुल्क तथा सूचना शुल्क से छूट प्राप्त है।

जन सूचना अधिकारी से आवेदन जमा करवाने के 30 दिन के अंदर जवाब न मिलने या असंतोषजनक जवाब मिलने पर आवेदक अगले 30 दिन के अंदर प्रथम अपीलीय अधिकारी (जो उसी विभाग का होता है।) को प्रथम अपील प्रस्तुत कर सकता है। अगर प्रथम अपीलीय अधिकारी भी 30 दिन के



# सूचना का अधिकार

अंदर सुनवाई हेतु कार्यवाही नहीं करता या असंतोषजनक आदेश पारित करता है तो आवेदनकर्ता अगले 90 दिन तक सूचना आयोग में द्वितीय अपील भेज सकता है। सूचना आयोग के पास जानबूझकर सूचना देने से आनाकानी करने वाले अधिकारी से न केवल सूचना दिलवाने बल्कि उस पर 25000/- तक का जुर्माना या विभागीय कार्यवाही करने का आदेश जारी करने की शक्तियां हैं। आवेदक को जन सूचना अधिकारी द्वारा बेहजहव जानबूझकर परेशान करने की दशा में आयोग के पास आवेदक को क्षतिपूर्ति की राशि दिलाने की शक्तियां भी हैं।

लेकिन सूचना का अधिकार असिमित नहीं है। निम्न जानकारी को सूचना के अधिकार के तहत प्रदान करने से छूट प्राप्त है:- देश की सुरक्षा व अखंडता के लिए हानिकारक, विदेशी संबंधों पर नकारात्मक असर डालने वाली, न्यायालय की अवमानना से जुड़ी, जांच को प्रभावित करने वाली तथा अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही में बाधक, किसी व्यक्ति की सुरक्षा को खतरें डालने वाली, विश्वास में प्रदान की गई जानकारी तथा अकारण किसी व्यक्ति की निजता का उल्लंघन करने वाली आदि। लेकिन ऐसी सूचनाएं जब विस्तृत जनहित से जुड़ जाती हैं तों उन्हें सूचना के अधिकार के तहत प्रदान किया जा सकता है।



नरेन्द्र कुमार धूल  
एसोसिएट प्रोफेसर इतिहास



## यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते...

जब भी समाज में सफलता के पैमाने पर किसी को परखा जाता है तो मात्र ऊँचाई की तरफ ध्यान जाता है परंतु उस ऊँचाई पर पहुँचने के लिए किस किस का सहयोग मिला वह हम नहीं समझ पाते। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम नमन करते हैं उस मातृ-भाक्ति को जिसका अनदेखा सहयोग पुरुष को सफलता के सोपान पर लेकर जाता है। राजकीय महिला महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा पुरुष प्राध्यापको से जब ऐसे प्रश्न पूछे गए कि वे अपने कामयाब जीवन का श्रेय किन महिलाओं को देना चाहेंगे, तो सभी की भिन्न-भिन्न प्रतिक्रियाएं व मिले-जुले अनुभव सामने आए। जिन में से कुछ आपके साथ साझा किये जा रहे हैं:-

**श्री जयनारायण गहलावत, प्राचार्य व सह-आचार्य इतिहास विषय:-**

श्री जयनारायण गहलावत अपनी प्रेरणा अपनी माताजी श्रीमती धनपति देवी को मानते हैं। विशेष रूप से निर्भक्ता का गुण उन्हें अपनी माताजी से विरासत में प्राप्त हुआ क्योंकि वे एक स्वतंत्रता सेनानी की संतान थीं। यादों के गलियारे में झांकते हुए वे बताते हैं कि मेरी माँ हमेशा मुझे एक ही बात सिखाती थी कि हर व्यक्ति को किसी भी कार्य को बोझ समझकर नहीं करना चाहिए वरन इसे अपना सौभाग्य मानना चाहिए कि ईश्वर ने अनुकंपा की और हमें कार्य करने के लिए चुना गया।

नारी के अनेक रूप हैं जीवन साथी भी जिसमें एक है। अपनी धर्मपत्नी श्रीमती किरण बाला को श्रेय देते हुए वो बताते हैं उन्होंने मुझे सिखाया कि हमें हमेशा हर कार्य को सहज भाव से धैर्य के साथ करना चाहिए, क्योंकि जल्दी का काम शैतान का होता है।

श्री जयनारायण गहलावत अपने जीवन में अपनी पुत्री समीक्षा जो कि अनुसंधान शोध (Ph.D) की छात्रा है को भी अपनी प्रेरणा के रूप में मानते हैं जो हमेशा कहती है कि हमें हमेशा अपना कार्य निष्ठा, लगन, समय अनुसार, व नियम अनुसार करना चाहिए।



प्राचार्य महोदय अपने जीवन में अपनी स्नातक—प्राध्यापिका श्रीमती ‘शकुंतला दलाल से भी बहुत प्रेरित हुए हैं जिन्होंने हमेशा यह शिक्षा दी कि हमें कभी भी अनैतिक साधनों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

### **डॉ० नरेंद्र कुमार, सह—आचार्य इतिहास विषय:—**

डॉ० नरेंद्र कुमार अपने जीवन में अपनी माता से बहुत प्रेरित हुए हैं वह हमेशा उन्हें पढाई के लिए प्रेरित करती थी। डॉ० नरेंद्र कुमार का कहना है कि उनकी माताजी की मार में भी हमेशा दुलार होता था। इनका कहना है कि उनकी माता के वात्सल्य, स्नेह व ममता के भाव से ही आज वह वृक्ष की तरह फल—फूल पाए हैं।

वह अपने जीवन में अपनी पत्नी श्रीमती अंजु को भी एक प्रेरणा स्रोत के रूप मानते हैं जिन्होंने उनकी पारिवारिक जीवन में सभी जिम्मेदारियों को कंधे से कंधा मिलाकर निभाया है। जो अतिथि के प्रति सदैव ‘अतिथि देवो भवः’ का भाव रखती है। बच्चों को संस्कारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बुरे समय में कभी हतोत्साहित नहीं होने दिया।

### **श्री जितेन्द्र शर्मा, सह—आचार्य गणित विषय:—**

श्री जितेन्द्र शर्मा, अपने प्रेरणा स्रोत अपनी माताजी श्रीमती भतेरी देवी को मानते हैं। उन्होंने हमेशा उन्हें पढाई के लिए प्रेरित किया। श्री जितेन्द्र शर्मा जी अपने जीवन में सफल होने में अपनी माता का बहुत योगदान मानते हैं, परंतु अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन रानी को भी अपने जीवन में सफलता के लिए सहयोगी मानते हैं क्योंकि उन्होंने घर—परिवार की जिम्मेदारियां स्वयं निभाकर इन्हें उन चिन्ताओं से मुक्त रखा जिससे कि ये अपने जीवन में प्रगतिशील रह पाये। इनकी सुपुत्री प्रीति को भी ये अपनी प्रेरणा मानते हैं जिसने न केवल इन्हें वायुसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद उच्चतर—शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया वरन कोरोना काल में मातृवत सम्पूर्ण परिवार की देख—भाल की और मनोबल बनाए रखा।

### **श्री अनुप मोर, सहायक—आचार्य अंग्रेजी विषय:—**

यह अपने जीवन की सफलता का श्रेय अपनी माता जी श्रीमती हरदेई देवी को देते हैं जिन्होंने इन्हें बचपन से ही ईमानदारी व कठोर परिश्रम सिखाया जो अन्ततोगत्वा इनके जीवन और व्यवसाय के सुदृढ़ आधार बने।



परंतु कमाल की बात है कि माता जी ने ये चीजें कभी थोपी नहीं, ये मात्र अनुसरण करके, उनके गुणों को देखकर ही अपने जीवन में आत्मसात कर पाये।

### **श्री राजेश बूरा, सह-आचार्य 'गौरीरिक शिक्षा विषय:-**

श्री राजेश बूरा अपने जीवन में अपनी माता जी श्रीमती केलापति से बहुत प्रेरित हुए हैं। वह उनके आहार का विशेष ध्यान रखती थी। उन्हें हमेशा गृहकार्य से मुक्त रखा। माताजी ने इनकी पूरी देखभाल की और जो भी कार्य इन्होंने करना चाहा, हर उस कार्य में पूर्ण विश्वास रखा। वह एक स्तंभ की तरह अडिग रही व हर निर्णय में राजेश जी के साथ खड़ी रहीं।

श्री राजेश बूरा अपने जीवन में अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नीलम बूरा का अविस्मरणीय सहयोग मानते हैं। वह उन्हें हर क्षेत्र में पूरा सहयोग देती हैं। ये कहते हैं "मैं शैक्षणिक, खेल-कूद को अबाधित रूप से समर्पित रह पाया क्योंकि पग-पग पर मेरी धर्मपत्नी का सहयोग मिलता रहा"।

### **डा० संदीप शर्मा, सहायक-आचार्य गणित विषय:-**

यह अपने जीवन में अपनी माता श्रीमती मूर्ती देवी से बहुत प्रेरित हुए हैं। वह हमेशा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करती थी। वह हमेशा कहती है कि हमें हमेशा अपना कार्य निष्ठा व लगन से करना चाहिए। माता जी की दी हुई नैतिक शिक्षा ही जीवन में मानसिक संबल का आधार बनी।

यह अपने जीवन में अपनी बहन उर्मिला से भी बहुत प्रेरित हैं चूंकि वह हमेशा इन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करती थी और अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने के लिए कहती रही।

डा० संदीप शर्मा अपनी धर्मपत्नी श्रीमती चंचल का योगदान भी अपनी सफलता में मानते हैं। इन्होंने इनका हर कार्य में साथ दिया और परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त रखा। **विषय**

### **श्री अजीत सिंह, सहायक-आचार्य भूगोल विषय:-**

श्री अजीत सिंह अपने जीवन में सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती शांती देवी को देते हैं जिन्होंने कठोर कदम उठाकर इनका ध्यान खेलकूद से पढ़ाई की तरफ लगाया। उन्हें विद्यालय से विलगाव बर्दाश्त नहीं था।



उनकी यह कठोरता उस वक्त अजीत जी को बहुत बुरी लगती थी पर आज जीवन के इस मुकाम पर पहुंच कर उन्हें ऐसा लगता है कि **“अगर माता जी कठोरता का आवरण न ओढ़ती तो मैं इस स्तर को छू भी नहीं पाता। मेरी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता गृहणी के तौर पर पारिवारिक जिम्मेदारियां स्वयं वहन कर रही हैं जिससे मैं पूर्णतया अपने कार्यक्षेत्र पर अच्छे से ध्यान दे पाता हूँ।”**

#### **डा० मनोज कुमार, सहायक—आचार्य भौतिकी विषय:—**

डा० मनोज कुमार के लिए प्रेरक उनकी माताजी श्रीमती भतेरी देवी हैं। यह इन्हें हमेशा ईमानदारी, समर्पण, निष्ठावादी व अनुशासित रहने की शिक्षा देती हैं।

वह अपने जीवन में उनकी पत्नी श्रीमती शीतल अंतिल का भी सहयोग सराहनीय मानते हैं। वह घर की जिम्मेदारियां बहुत अच्छे से निभाती हैं जिससे मनोज जी अपने अनुसंधान कार्य को समय दे पाते हैं। डा० मनोज कुमार के अनुसार, **“हर दिन महिला दिवस है। नारी का सम्मान हर दिन होता है और होना भी चाहिए। मेरे परिवार में बेटी की कमी है, पर बिटिया की छवि छात्राओं में ही समाहित है। मेरे लिए हर छात्रा मेरी बेटी है मेरा परिवार है।”**

#### **डा० रवि कुमार, सहायक—आचार्य रसायन—शास्त्र विषय:—**

डा० रवि कुमार अपने जीवन में सफलता का श्रेय अपनी बहन बबीता को देते हैं। इनका मानना है कि इनकी वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर हूँ। वह खुद एक गृहणी है पर मुझे हमेशा प्रोत्साहित करती रही और भविष्य की दिशा निर्धारण हेतु विज्ञान विषय लेने के लिए बाधित करती रही। वह हमेशा इससे संबंधित सारी जानकारी जुटाती थी ताकि मेरा समय पढ़ाई में लगा रहे। डा० रवि कुमार का कहना है कि जब भी मेरा पढ़ाई से मन उबता था या मैं कुछ करने में अपने आपको असक्षम समझता था तो मेरी बहन बबीता कहती थी कि तुम कर सकते हो। **“I can do It”** यह बात अपने मन में दोहराओ। वह हर समय मेरा मनोबल बढ़ाती थी और परिणाम आपके सामने है।

#### **श्री सुरेंद्र कुमार, सहायक—आचार्य राजनीतिक विज्ञान विषय:—**

यह अपने जीवन में सफलता का श्रेय अपनी जिज्ञासु छात्राओं को देते हैं। इनका कहना है कि मुझे जिज्ञासु छात्राओं का साथ मिला जिससे मैं एक शिक्षक के तौर पर निखरता चला गया।



इससे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। जब मैं खानपुर महिला विश्वविद्यालय में कार्यरत था तो अनुसंधान विषय पढ़ाने के दौरान छात्राओं की सहज उत्कण्ठा ने मेरी प्रतिभा को ऐसा संवारा कि मेरी दो छात्राएं NET उत्तीर्ण कर चुकी हैं व तीन छात्राएं सरकारी सेवा में हैं। इस प्रकार शिक्षा व छात्राएं ही मेरी सर्वोपरि प्रेरणा रहीं।

### **श्री विक्रम गुप्ता, सहायक-आचार्य गणित विषय:-**

यह अपनी प्रेरणा स्रोत अपनी माताजी श्रीमती ऊषा रानी को मानते हैं जिन्होंने इन्हें शिक्षा के लिए हमेशा प्रेरित व प्रोत्साहित किया। इन्हें हर रोज समय पर उठाना, इनकी दिनचर्या पर पैनी नजर रखना, पढाई के लिए उचित माहोल देना, सकारात्मक उर्जा का संचार करना व मनोबल बनाए रखना यह सब माता जी की बदौलत ही संभव हो पाया।

### **डा० रमेश कुमार, सहायक-आचार्य भौतिकी विषय:-**

मेरी माँ श्रीमती अंग्रेजो देवी सदा आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहीं कभी घर के काम में नहीं उलझाया। छोटी बहन ज्योति रानी मेरी हर क्षेत्र में कार्यप्रगति का ब्योरा लेती रहीं जिससे मेरा संबल बना रहा वह हमेशा मेरी सकारात्मक आलोचक रहीं है वह मुझे अब भी पोस्ट डॉक्टरेट के लिए प्रेरित करती रहती हैं क्योंकि उनका मानना है कि शिक्षा में ठहराव ना हो व मुझे उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर रहना चाहिए। वह मेरे जीवन का आधार हैं। मेरी सहधर्मिणी श्रीमती अंजु रानी भी मुझे सदा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

### **श्री महिपाल खटकड़, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष:-**

यह अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुजाता का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने पा. रिवारिक बंधनों से विमुक्त रखा। जब भी जीवन में कोई समस्या आई तो मेरा मानसिक संबल बनाये रखा हमेशा मुझे होसला दिया, विपरीत परिस्थितियों के हाथों मुझे कभी टूटने नहीं दिया। कम पढ़ी-लिखी होने के बावजूद भी बड़ी ही सहजता व सुगमता से विषम परिस्थितियों से परिवार को बाहर ले आई तो मैं उन्हें “कम पढ़ी, घणी कढ़ी” कहूं तो अतिशयोक्ति न होगी। बेटे के विवाह को 12 वर्ष बीतने के बाद भी परिवार को एक धागे में पिरो रखा है। मेरे कैरियर के दौरान राजकीय महाविद्यालय जीन्द की प्राचार्या रही श्रीमती प्रमिला कपूर ने मुझे निर्भिकता, कर्तव्य-परायणता, कार्य के प्रति निष्ठापूर्ण समर्पण, ईमानदारी व नेकनियती की भावना सिखाई तो वह भी मेरे लिए पूज्य व प्रेरक रही हैं।



## श्री संदीप कुमार, विस्तार—विख्याता भूगोल विषय:—

यह अपने जीवन में प्रेरणा का आधार श्रीमती ज्योतिबा फुले, प्रथम महिला शिक्षिका को मानते हैं। दूसरे स्थान पर अपनी माता सुमित्रा देवी जिन्होंने अक्षर ज्ञान के साथ-साथ अभिव्यक्ति ज्ञान भी दिया। अपनी शिक्षिका श्रीमती संध्या सिंह को यह कार्य क्षेत्र चुनने के लिए प्रेरक स्रोत मानते हैं। डा० शालू को यह श्रेय देते हैं कि उच्च शिक्षा में आने के लिए व शिक्षा क्षेत्र को अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरणा दी।

## श्री गुरजीत कुमार, विस्तार—विख्याता लोक—प्रशासन विषय:—

गुरजीत जी कहते हैं कि परिवार से लड़-झगड़कर मेरी माँ ओमपति देवी ने मुझे उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया, जीवन में हर पल वह एक स्तंभ की भांति खड़ी रही। अब जबकि मैं अनुसंधान शोध का छात्र हूँ तो वे मेरा मनोबल व आत्मविश्वास बनाये हुए हैं। मेरी शिक्षिका डा० सुमन दहिया के कारण स्नातक से लेकर अब तक की शिक्षा संभव हो पाई। स्वर्गीय श्रीमति मंजुषा शर्मा ने हमेशा पुत्रवत् स्नेह व मार्गदर्शन दिया तथा डा० सरोज मलिक प्राचार्या राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना ने अनुसंधान में सत्यपरक निष्ठा के लिए सदा ही प्रेरित किया।

यह सर्वे इस बात को सही ठहराता है कि प्रत्येक कामयाब पुरुष के पीछे एक नारी का हाथ होता है। जब नारी संबल बनाये रखती है तो वह अबला न होकर सबला हो जाती है। तभी तो कहा गया है—**यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः** अर्थात् जहां नारी की पूजा की जाती है उसका सम्मान किया जाता है वहां देवताओं का वास होता है।



डा० सुमिता आशरी,  
महिला प्रकोष्ठ प्रभारी,



# LIFE AND LITERATURE

Life and literature are the two aspects of the same coin. Literature reflects life and if we go through the literature of different ages we find that in every age literature reflects the culture of that particular period in an artistic way but it does not mean that it reflects the history of the time. Literature is the mirror of life and an artist expresses in his writings whatever he experiences in society but he makes it beautiful with his artistic mind & imagination. That's why when read a poem, essay, short story, novel, drama etc. We learn how should we live a meaningful life? How should we behave in different critical situations?

When we go through the various types of literature such as historical, romantic, social, psychological, religious, spiritual, scientific we learn about the past, present and future of life of every creature & nature.

Literature awakes us about the danger that we may face in future and teaches how should we live in present learning from our past & make our future better. Literature has always been a perennial source of joy. In this world of science & technology we are so occupied that sometimes we behave like machines and forget how should we live a happy, healthy and meaningful life but when we read the poetry of Wordsworth we come to know how we are wasting our powers and don't care of our existence & nature which is our true friend. In Wordsworth's po-



the message has been conveyed that nature is our true friend & without nature there is no life on the earth. Nature is our true friend, mother and teacher & sometimes it teaches us more than sages: "one impulse from a vernal wood may teach you more than the sages can." During Covid -19 we realize the importance of nature.

Literature always answers the questions of our inner self, our soul. It always answers the questions that arise in the human mind & heart. Writer through his imagination imagines the problems of the future generation. In *1984* written by George Orwell in 1948 expresses beautifully how technology will capture the privacy of human life as it has been happening in the present world. Now the question is why the great books are ideal of human life? Why should we read great literature? Why? A.P.J. Abdul Kalam has beautifully answered the question as he says, "Great books born out of great minds." It means that great writers' writings such as Maharishi Valmiki's *Ramayana*, Maharishi Ved Vyasa's *Mahabharata* and Goethe's *Faust* teach us how should we live a meaningful life.

Sometimes literature enables us to forget the grim reality of life & escape in the world of imagination and believe in our existence. It prepares us to suffer as well as to endure life's ironies and to face the odds of life carefully. It widens our thoughts by revealing the hidden aspects of life. In the words of Oscar Wilde, "literature always anticipates life. It does not copy it moulds it to its purpose."

To conclude, I would like to say that today when the existence of humanity is in danger not only humanity but the existence of the planet is also in danger due to the misdeeds of man. Literature teaches us that every creature on the earth should be protected. Man should understand the importance of nature. So we should love it if we want to live a happy & healthy life on this planet, the mother Earth.

In the words of Sophia E. Valdez:

It's time to wake up and see mother  
Earth's pain.

Humanity's selfishness is becoming Insane,  
Soon her cries will turn to gloom  
And man will cause its' own doom.



**Mrs. Amarjeet Kaur**  
**Assistant Professor**  
**Dept. Of English**



# Teaching Methodologies in the field of science

## Main Challenges

Most of us are following the traditional way of teaching, which includes the class room conventional teaching with the main aim to complete the syllabus as per the curriculum of the particular university. In the best way, most of the hardworking teachers do their jobs to complete the syllabus and would be able to motivate the students to get the pass marks or get the good marks. Off course for the conventional teachers the pass percentage of the students matter for theirs ACRs. Normally science students have to face on average eight papers in one semester. As per UGC curriculum the duration of semester is fifteen weeks, but in real semester it's hardly eight weeks syllabus teaching and rests is spent in the extra co-curricular activities. For a student it would be very difficult to complete the syllabus in proper manner. Hence students and teachers make some tricks to get good results, some of them are as follows:

- (a) Choose the important questions from the syllabus for exam point of view.
- (b) In final paper, there is a choice of 50%, so they leave at least 30% syllabus.
- (c) Use of ten year or five year solved questions papers.

In results of these, we are getting good pass percentage of results and hence we are getting more graduation degree holder students, only degree holders. Most of the gathered information (in storage manner means cramming) is washed away after graduation. What they do after graduation to attain some kind of job? They again re-trace graduation syllabus through coaching. Luckily some of them get job (somehow 2-3%) but what about others, they again try through coaching.



Now days, in spite of class attendance in college, students want to join the coaching classes to improve their reasoning abilities. So attendances are getting lower and lower in college class rooms. In most of the cases the graduation system is not developing a compatible personality in the students to tackle various problem of life and to find the happiness in life through their personal efforts. These are some of the challenges; we are getting in our education system.

## **II. Methodology to Meet Out Challenges**

So to develop productive, skilled and well social behavior in the students, teaching is the only factor that can play a crucial role in the personality development of the students. The current curriculum of the Indian education system is appropriate; we just need to focus on the ultimate aim of the study of a particular subject. In the starting days we have to take seven to eight lecture to orient the students towards their main goal of the life. Some followings steps must also be adopted:

- (a) Never recommend the ten year or five years solved sample papers.
- (b) Promote them to study reference books.
- (c) Try to take some extra numerical session.
- (d) Try to take some extra classes after the final exam.

We have to make them feel very happy in the class through concerned subjects. We need to make some actual demonstrations to generate the ability of observation and then we need to tell them the exact meaning of the understating. If they are able to understand the certain problem and its solution through mathematical explanations, only then they could get some reasoning ability. Every problem, phenomena or happening have the reasons. We have to find out them to explain the reality of current observation. If we are able to make the pattern of reasons from the past to present, only then, one can predict the future also.



We have to correlate every physical concept with the reality of life; only then students can feel the Physics. So after getting reasoning ability, they can extend their understating to make some new technological applications through innovations. They can solve any kind of problem in their life; it means they can live happy life through proper learning. Hence the ultimate aim is to live happy life, and teachers have lots of role to make them successful personalities.



**Dr. Manoj Kumar**  
**Asstt. Professor of Physics**



# Dedicate yourself to your goals

Dr. Himanshu  
Dept. of Computer Science

When strong determination blends with dedication, the results are fabulous. We get countless opportunities in life and even we can create these opportunities according to our desires. By dreaming big, we can get unexpected sparkling outcomes. By honest dedication, we need not to search for the right path instead the right path will automatically follow us.

A father and a son were living in a small cottage. One day the father presented an old T-Shirt to his son and asked the price of that cloth. Son replied, "It may be of 1 dollar". Then the father gave it to the son and ordered him to sell it for 2 dollars. The son surprised and said "Who will purchase this old ordinary t-shirt in 2 dollars?" But the father told him to do so. The son pressed the shirt under other clothes and then went to the market. After the labor of 4 hours, he sold that T-Shirt for 2 dollars and gave that money to his father. Then his father again gave him a T-Shirt of the same type and ordered him to sale it for 20 Dollars. The child was surprised and made some arguments. After that, the son focused on the task and went to his friend's house. His friend was an artist. He requested his friend to paint a cartoon on the T-Shirt. His friend painted a Mickey Mouse on it. Now the son went to the front of an international School where children of rich people studied. and focused on the task. This time he took 3-4 days to sell the shirt. After 3 days, an actress arrived in that city for shooting and the child reached on the spot and requested her to give her autograph on the T-Shirt. She smiled and gave her autograph there. Now the son went to the market and



and started to define its features. A huge crowd gathered there very soon and all wanted to purchase it. Then after the auction, he sold that ordinary T-Shirt for 2000 Dollars. That child was Michael Jordan, a world famous basketball player.

The father taught a lesson to his son by this practical example. It's just an example that proved that nothing is impossible. If we have strong determination & honest dedication towards our goal, we can achieve anything in this world. This inspirational practical example helps Michael Jordan to achieve big. Hope it will also inspire you and help you to achieve big things in life.



**Dr. Himanshu**  
**Dept. of Computer Science**



# WOMEN – THE GIVER

Somewhere they are goddess,  
Somewhere they are mistress.  
But who gave right to men,  
To make rules for women?

For someone they are responsibility,  
For someone they are blessing.  
But why they face disparity,  
In this patriarchal society?

Why it's always about Patriarchy?  
Why not it's about Matriarchy?  
When she can create a life,  
Then why she remains only a wife?



Pooja

B.A. III English Hons.



# I AM IN DOUBT

I am in doubt how to write,  
Where to start, where to end,  
Poem about which sight,  
About whose life, on which friend?

It is not easy,  
But not too hard  
Poem of world, too busy  
A lot in mind, still empty yard.

Shall I write about some season?  
Or about some special day  
So much to tell, but no reason  
Where to start, how to convey?

Well, it is okay sometimes having no idea no feelings,  
It teaches us how to play with words and meanings.



Niru  
B.A. II (D)



## **THE UKRAINE AND RUSSIA WAR: HOW BAD ARE THE HUMANITARIAN CRISES?**

War destroys communities and families and often disrupts the development of the social and economic fabric of nations. The effects of war include long term physical and psychological harm to children and adults, as well as reduction in material and human capital. On 24 Feb, 2022, Russian President Vladimir Putin's invasion of Ukraine has created the largest humanitarian crisis Europe has seen in decades. The invasion has triggered Europe's largest refugee crisis since World War II, with more than 4.5 million Ukrainians leaving the country and quarter of the population displaced.

They have parents and children; they have hobbies and dreams and now these people have departed from this world forever. It has been rightly said by Mahmud in his poem:

“The war will end; the leaders will shake hands. The old women will keep waiting for her martyred son. That girl will wait for her beloved husband and those children will wait for their heroic father. Don't know who sold our homeland. But I saw who paid the price “.

Ukraine wants to be a part of NATO at any cost. That's why Russia attacked on Ukraine. Ukrainian treated Russia as brothers. But after this situation the Ukrainians are now filled with hatred towards Russians.



Even if Russia wins this war physically, Russian would still lose the war, because the hearts of Ukrainians would never open up for Russians. That's why the Dalai Lama had famously said;

“War is neither glamorous nor attractive. It is monstrous. It's very nature is one of tragedy and suffering.”



**Rekha**  
**B.A. III**



# HOPE

It's OK, to have hope. After every bad day, it's okay to think that tomorrow is filled with miracles .You don't know what is waiting for you. It would surprise you in the ways, you never thought even existed and if you ask me WHY?

It's because soul like you deserve to be loved. Just believe. Have faith. There is so much for you, waiting just outside the door. SCARED! So let your brave self-have hope and open the door. Let your disappointed self-experience something, never experienced before. Let it all in. Don't let your Evil self-question you, provoke you and convince you that you aren't worry. Tell him that you are done feeling guilty. Everyone has a terrible past but resisting the pain will only make you suffer. So, accept it. Remember, pain makes you stronger. Let yourself grieve but once it is done. Let yourself feel hope and be that for someone.

BE HOPE FOR SOMEONE.



Prerna  
B.A.I English Hons.



## SOCIETY IN 20TH CENTURY

We are in 20th era, where the things have been easily found on only one click either its cloths, products and all the remaining things but we can't find feelings, emotions, truthfulness, respect, behavior and loyalty. Everyone wants to be part of this fake world; everyone wants attention from other and they want to live in this fake world with full fake intuition. No one wants to look into their inner self (inner engineer). This is not only between people but also the countries that's why we are facing the war like situations either it's Palestine & Israel or Russia and Ukraine. Human life is not about being superior, but it has to maintain the chain cycle for the earth. But today people only care about themselves and their family, they don't think about the Mother Earth.

As I can say that life is much easier than previous centuries but we have to focus on this ongoing bitterness. People have to be responsible and they have to serve the society like nature selflessly and only then we can save the Mother Earth and the future of the next generation.



Ravina  
B.A.III  
English Hons



## IMPACT OF COVID-19 ON EMPLOYMENT

The world's biggest democracy has been facing a crisis. Indian economy cannot provide enough jobs for job seekers. According to the Centre for Monitoring Indian Economy one in every 4th employed person lost their jobs in March and April 2020. Recently, CMIE released the unemployment status report of India for December 2021. According to the report the unemployment rate in the country was 7.9 % in December. it was 7% in November.

According to the report of CMIE in January 2020, the highest youth unemployment was reported in Haryana (23.4) percent and Rajasthan (18.9) percent. The lowest youth unemployment was reported in Telangana (0.7%). Main services such as schools, gyms, and movie theatre etc were forced to shut down in various States temporary. This had a great impact on Indian economy and contributed to a rise in the unemployment rate. The more people are being unemployed the more individuals earn less income. Thus, they will spend less money resulting in decreased economic contribution in terms of services and products supplied and production.

In other words, unemployed individuals have reduced purchasing power so the demand of goods less as a result the producer faces the losses.

Since unemployment has affected Indian economy adversely, the Indian government should create more job resources.



**Chinki**  
**B.A. III**



# **CHRONOLOGICAL ORDER OF LITERARY AGES & AUTHORS**

## **THE AGE OF CHAUCER (1350-1400)**

1. Geoffrey Chaucer
2. Sir Lewis Clifford
3. Sir Richard Stury
4. Sir John Montegu

## **THE 15<sup>TH</sup> CENTURY (1400-1485)**

- Stephen Hawes
2. Alexander Barclay
  3. Robert Heryson
  4. Scot's poets William Dubar

## **THE EARLY RENAISSANCE (1485-1560)**

- Thomas Wyatt & Surrey  
Thomas Malory  
Erasmus  
Thomas More  
Edmund Spenser

## **THE ELIZABETHAN AGE (1550-1603)**

**or**

## **THE FLOWERING OF RENAISSANCE**

1. Philip Sidney
2. Ben Jonson
3. William Shakespeare



4. Richard Hooker

**THE EARLY SEVENTEENTH CENTURY (1603-1660)**

**Or THE PURITAN AGE**

John Milton

John Donne

Edward Taylor

William Bradford

John Bunyan

**THE AGE OF DRYDEN (1600-1700)**

**Or THE RESTORATION ERA**

1. John Dryden

2. William Congreve

William Wycherley

4. Aphra Behn

**THE EIGHTEENTH CENTURY (1700-1798)**

**Or AGE OF POPE & DR. JOHNSON**

1. Alexander Pope

2. Oliver Goldsmith

3. Samuel Johnson

4. William Collins

5. Richardson

6. Henry Fielding

**THE ROMANTIC AGE (1798-1850)**

**Or THE AGE OF WORDSWORTH**

William Wordsworth



John Keats  
Lord Byron  
S.T. Coleridge

**THE VICTORIAN AGE (1850-1900)**

**Or**

**THE TWENTIETH CENTURY**

Alfred Tennyson  
Robert Browning  
Matthew Arnold  
Emily Bronte  
Charlotte Bronte  
Jane Austen

**THE MODERN PERIOD (early 20th century)**

1. W.B. Yeats
2. T. S Eliot
3. W.H. Auden
4. Ezra Pound
5. Ted Hughes
6. Philip Larkin
7. G. B Shaw
8. Virginia wolf



Diksha  
B.A. III English Hons



## **BHAGAT SINGH - WHY NOT DECLARED MARTYR**

Bhagat Singh is a well known revolutionary and freedom fighter of India of Freedom Movement. He was born on 27 September, 1907 in Lyallpur district of Punjab province at the home of Sardar Kishan Singh Sandhu. He quit his school at the age of 13 and started working for India's freedom. He was against Gandhian Philosophy of Non-Violence Movement. Though he believed in violent ways against British, still he played a very vital role in National Movement. He believed in socialism and Marxism.

He was very bold and powerful youth. He is the ideal for youths in India. He is much more respected in Pakistan also. His ideal was Batukeshwar Dutt. Those who wanted to break the morale of him and his friends called them anarchists. But Bhagat Singh's goal was complete independence. The famous slogan 'Inquilab Zindabad' has been given by Bhagat Singh. He worked with so many freedom fighters, as Rajguru, Sukhdev, Batukeshwar Dutt, Jatin Das etc. Even the killer of General Dyer, Udham Singh called him 'guru'.

He was responsible for two major crimes: Firstly he and his companions killed the ASP John Saunders, although they wanted to kill SSP James Scott who was convicted for killing of Lala Lajpat Rai. This happened because of identification mistake. Secondly he was responsible for bombing in Central Legislative Assembly in Delhi. Because of these crimes they got capital punishment. Bhagat Singh, Rajguru and Sukhdev were executed in Lahore Central Jail on 23rd March 1931. So, 23rd March is declared as 'Martyr's day' in India.



Bhagat Singh was very brave and fearless. He didn't care about his life and died with bravery. He has so much courage to fight against British. Because of his courage and bravery he is called 'Shaheed - e - Azam'. In independent India many monuments belong to him. One in Hussainiwala and the other is National Memorial.

He was a very powerful revolutionary yet he didn't get the status of Martyr officially even after 75 years of independence. Central Information Commission often recommended to ministry of Home affairs to explore for him the status of Martyr. But nothing is done so far. Even when Punjab tried to do this in 2008 it could not be done. Because, according to Article 18 of Indian Constitution, no official recognition can be given to anybody as a 'Martyr'. It doesn't permit conferring of any title by the state government.

Though we should give him his status as 'Martyr' because he gave all his life to our freedom and even die for our country and for our freedom. He deserves being called a 'Martyr'.



**Tannu**  
**B.A. II**



# QUOTES

- \*Self-restraint and dedicated person can never be left behind.
- \*An hour is like a waterway, the same you can't hold, If it get departed would never come back.
- \*By putting in your time excessively on something you would not ever accomplish it.

## WHAT IS SIMPLE AND WHAT IS TOUGH?

Giving statement is simple, achieving it is tough.

Learning is simple, Understanding is tough.

Confusion is simple, Judgment is tough.

Elimination is simple, Formulation is tough.

Searching for inferior is simple, Modeling is tough.



Bhavya

B.A. III English Hons



# सरोजिनी नायडू

भारतीय समाज में आज महिला सशक्तिकरण की लहर चल रही है लेकिन यह लहर आज की नहीं बल्कि एक अर्से से भारतीय समाज का हिस्सा है। आजादी की लड़ाई में कई भारतीय महिलाओं ने अपना योगदान दिया। जिनमें सरोजिनी नायडू भी शामिल थी। सरोजिनी नायडू भारत की एक प्रसिद्ध कवयित्री व देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में इन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी के बाद देश को एक बेहतरीन मुकाम तक ले जाने के लिए उन्हें एक विशेष कार्यभार दिया गया, उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया। इनका जन्म 13 फरवरी सन् 1879 को हुआ था। इनके पिताजी चाहते थे कि यह एक वैज्ञानिक बने लेकिन सरोजिनी नायडू को कविताओं से बहुत प्रेम था और वह इस प्रेम को त्याग न सकी। सरोजिनी नायडू ने केवल 13 वर्ष की आयु में ही 1300 पदों की 'झील की रानी' नामक लंबी कविता और लगभग 2000 पंक्तियों का एक विस्तृत नाटक लिखकर अंग्रेजी भाषा पर अपनी पकड़ का उदाहरण दिया। इनका प्रथम कविता संग्रह 'द गोल्डन थ्रेशहोल्ड' सन् 1905 में प्रकाशित हुआ था। इन्हें भारतीय कोकिला के नाम से भी जाना जाता है। सरोजिनी नायडू गांधी जी से सन् 1914 में लंदन में मिली। इनके बाद उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव हुआ और वह भी स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़ी। उन्होंने अपने जीवन में गांधी जी के विचारों व मार्गों का अनुसरण किया। आजादी की लड़ाई में तो उनका अहम योगदान था व साथ ही साथ भारतीय समाज में जातिवाद और लिंग भेद को मिटाने के लिए भी उन्होंने कई कार्य किए। सरोजिनी नायडू की मृत्यु 2 मार्च सन् 1949 को लखनऊ में हुई। आज सरोजिनी नायडू समाज में महिला सशक्तिकरण का वह चेहरा है जिसे सभी लोग परिचित हैं।



कोमल  
B.A. प्रथम वर्ष



सहनशीलता और धैर्य हमारी ताकत है कमजोरी नहीं

नाना पाटेकर की एक मूवी है- प्रहार उसका एक दृश्य है। नाना पाटेकर हीरो के रूप में कुछ अपराधियों की बुरी तरह पिटाई करता है, पिटाई के बाद एक छोटा बच्चा उनसे कहता है बहुत ताकत है इन हाथों में ! इस पर हीरो अपने सिर पर अंगुली लगा कर कहते हैं, असली ताकत बाजुओं में नहीं दिमाग में होती है। यह छोटी सी घटना ताकत के दर्शन को स्पष्ट कर देती है।

"मत सोचो यह सहनशीलता कमजोरी कायरता है  
सच पूछो तो ताकतवर ही कष्ट सहन कर सकता है  
ताकत की पहचान नहीं है झल्लाने चिल्लाने में  
ताकत है बस धैर्य चढ़कर आगे बढ़ते जाने में!!"

हमारे इतिहास में श्रीराम का बहुत ऊंचा स्थान है । श्री राम को पूज्य किसने बनाया? उनके धैर्य ने, उनकी सहनशीलता ने। अगर भरत को राज्य मिल जाने पर वे विद्रोह कर देते, तो क्या वे इतना ऊंचा स्थान प्राप्त कर सकते थे ? कभी नहीं! महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता किसने बनाया? उनके धैर्य ने, सहनशीलता ने। चार हड्डियों का वह लंगोटी वाला संत जिसकी एक आवाज पर हिंदुस्तान 30 करोड़ जनता सड़कों



पर उतर आती थी क्या उन्हें कमजोर कहा जा सकता है? कदापि नहीं!

एक कवि ने कहा है,

"क्षमा शोभिते उस भुजंग को

जिसके पास गरल हो ,

उसका क्या जो दन्तहीन विश्वहीन विनीत सरल हो ।।"

आज सहनशीलता और धैर्य की कमी के कारण भाई भाई का और पिता पुत्र का शत्रु बना हुआ है। यह संसार युद्ध का मैदान बन चुका है । इन आपस के झगड़ों में 90% झगड़े सहनशीलता और धैर्य की कमी के कारण होते हैं।

सहनशीलता और धैर्य वीरों की शोभा है, कमजोर की नहीं। वीरता की पहचान ही सहनशीलता और धैर्य है , कमजोर व्यक्ति कभी सहनशील हो ही नहीं सकता । वीर पुरुष की सहनशील एवं धैर्यवान बनते हैं।

आज सहनशीलता और धैर्य की कमी के कारण भाई -भाई का और पिता- पुत्र का शत्रु बना हुआ है। यह संसार युद्ध का मैदान बन चुका है। इन आपस के झगड़ों में 90% झगड़े सहनशीलता और धैर्य की कमी के कारण होते हैं । कोई हमारे प्रतिकूल बात करता है तो हम तुरंत प्रतिक्रिया करते हैं । ऐसी स्थिति में हम अपनी प्रतिक्रिया को 1 मिनट



के लिए केवल 60 सेकंड के लिए स्थगित कर लें ,केवल 1 मिनट धैर्य से गुजार दे, तो हमारे 90% झगड़े समाप्त हो सकते हैं।

धैर्यवान एवं सहनशील होना ईश्वरीय गुण हैं! धरती मां का धैर्य देखो ,अपनी जननी मां का धैर्य और सहनशीलता देखो, क्या वे कमजोर हैं??

हमारी ताकत हमारे मन में होती है उसी मानसिक ताकत का नाम है धैर्य और सहनशीलता। आज न केवल नौजवान अपितु बच्चे भी छोटी सी बात पर इतना उत्तेजित हो जाते हैं कि वह अपना धैर्य और सहनशीलकारी खोकर आत्महत्या कर बैठते हैं, यह अमूल्य जीवन इस प्रकार बर्बाद करने के लिए है?? जीवन में सफलता है तो असफलता भी है, सुख हैं तो दुख भी हैं ,मित्र हैं तो शत्रु भी हैं, सभी परिस्थितियों का मुकाबला किया जा सकता है धैर्य और सहनशीलता से!

Pratistha

B.A. 2nd



# जब रास्तों में अन्धेरा हो

जब रास्तों में अन्धेरा हो

गुमनाम कोई पहरा हो

असफलता का सहारा हो

तब रूको मत झुको मत फिर एक बार प्रयास करो

हार से घबराते हो इस डर में पीछे रह जाते

हो आगे भी नहीं बढ़ पाते हो

दृढ़ संकल्प, विश्वास, धैर्य, समर्पण मन में धारण करो

फिर एक बार प्रयास करो

हार जाए हम, कोशिश करने पर यह स्वीकार हो

मन को आंतरिक प्रेरणा से फिर उठे

दृढ़ विश्वास भरा साहस से उतरे रण में फिर एक बार प्रयास  
करो

प्रिया

बीए तृतीय



# घर का चिराग बेटी

हमारे देश में घर का चिराग बेटो को माना जाता है। हमारे देश में ऐसी रूढ़ीवादी सोच है कि घर को चलाने की सारी जिम्मेदारी बेटो के कंधो पर होती है। बचपन से ही लड़के और लड़कियों की परवरिश अलग तरीके से की जाती है। लड़को को कहा जाता है तुम लड़के हो, मजबूत हो, तुम रो नहीं सकते। लड़को से रने का अधिकार भी छीन लिया जाता है। लड़कियों को सिखाया जाता है कि बेटियां कोमल होती हैं, संवेदनशील होती हैं, उनकी रक्षा के लिए उनके पापा, भाई, पति हैं। लड़कियों के दिमाग में बचपन से ये भरा जाता है कि, तुम पराया धन हो, तुम्हें दुसरे घर में जाना है। लड़को को बचपन से यह कहा जाता है कि, घर की सारी जिम्मेदारी तुम्हारे ही कंधो पर है। इसी कारण लड़के और लड़कियां इसी दिशा में सोचने लगते हैं और इसी दिशा में काम करने लगते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं कि हमेशा ऐसा होता रहे भला किस काम पर लिखा होता है कि यह काम लड़का का है या लड़की का। एक लड़की भी एक परिवार, एक देश की रक्षा कर सकती है और बेटो को घर का चिराग इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाता है लेकिन हम सब जानते हैं लड़की एक घर की नहीं बल्कि दो घरों की जिम्मेदारी उठा सकती है। अगर बेटी लक्ष्मी बन सकती है तो दुर्गा भी बन सकती है। बेटी भी घर का चिराग होती है

Preeti Goyal  
B.A. final

# आओ जिंदगी को गाते चले

आओ जिंदगी को गाते चले ,

कुछ बातें मन की गुनगुनाते चलें

आखिर हम भी commerce student हैं

जिंदगी को जीना सीखलाते चले

चलना तो मां बाप से सीखा था

पर दौड़ना commerce ने सिखाया है

कभी Debit तो कभी credit

इसने जिंदगी के Buiness को सुलझाया है। दुनिया में एक

पहचान दिया commerce ने एक नाम दिया

सभी लोगों को जो खुशी दिखावें से होती है

वह खुशी हम commerce students को balance sheet Match

होने से होती है इसलिए खुशियों को करो Debit

और दुखों को करो credit Because-

Debit what comes in,

Credit what goes out

Nisha  
com hons(3rd sem)



# मेरे papa

हर छोटी बड़ी बातों को पुरा करने वाले..

मेरी हर ज़िद को पुरा करने वाले..

और कोई नहीं

मेरे papa ही तो हैं।।□

मेरा साहस, मेरी इज्जत, मेरा सम्मान..

मेरी ताकत, मेरी पूंजी, मेरा एहसास..

और कोई नहीं

मेरे papa ही तो हैं।।□

घर की एक एक इंट में शामिल खुन पसीना..

सारे घर की रोनक, सारे घट की शान..

और कोई नहीं

मेरे papa ही तो हैं।।□

मेरी शोहरत, मेरा रुतबा, मेरा मान..

मुझ को हिम्मत देने वाला मेरा अभीमान..

और कोई नहीं

मेरे papa ही तो हैं।।□

मेरी हर खुवाहिश को पुरा करने वाले..

मुझे गिरते हुए को संभालने वाले ..

और कोई नहीं

मेरे papa ही तो हैं।।□

Jyoti  
B.Com.1

# WOMEN'S RIGHTS AND POLICY

As, we know this time is totally different from previous time. In previous time, women has not given any right and do not make any policy for their development. But this is changed. Now, Indian government has made any rules and policy for women. Indian government has given following rights to women:

- \* Right to maintainance
- \*Right to equal pay
- \*Right to degnity and decency
- \*Right against domestic violence
- \* Right at workplace
- \* Right against dowery
- \* Right to free legal aid
- \* Right to private defence

In short, this right gives power to women for their growth and their self - dependent. As we say that indian has many rights like right to vote, education, at right time marriage etc but this 8 rights helps women a lot.

Firsty, we discuss about women's right, now we discuss policy which help the women which are following;

\*Beti bacchio beti padho.

...

\*Working women hostel....

\*



# WOMEN'S RIGHTS AND POLICY

Women helpline scheme...

\*Mahila E- haat...

\*Mahila police voluntrees....

\*STEP(Support to traning and education policy for women)....

\*SWADHAR GREH...

\* Mahila sakti Khendra...

In short, now government can't ingore women's rights and policy, they do many efforts for their development and growth.

Now, womens has many rights and policy because of it they can reach at another level. Women has now a teacher, doctor, engeener, police and so on.

And if , any place women has faced a problem, government resources provide a lot of help for them.

So, we can say proudly that we are indian women and we can earn a lot of respect for our nation. Now, women are not backward in any place and not less than men in any field.

Vanshika Jain  
B. Com 2nd

# Glad You're My Dad

There is darkness and clutter  
In my life without you mama  
Oh! My mama, Oh! My papa

You are in the Heaven but I am in  
Bundle of trouble  
Oh! My mama, Oh! My papa

When you were beside me, the  
Whole world looked amazing  
Oh! My mama, Oh! My papa

After you ma-pa I fought  
With inferior things  
Oh! My mama, Oh! My papa

You held my hand when I was small  
And every time I think about childhood it feels like  
blessing  
Oh! My mama, Oh! My papa

You never said You 're leaving  
You never bid goodbye  
Oh! My mama, Oh! My papa



I always dream that I can  
Embrace you again, I know  
You are watching me over there  
Until we meet again...

In life I loved you dearly  
In death I love you still  
This is my yearning and this is my Will...

Diksha  
B.A-III (Eng. Hons.)

## Women – Powered or Empowered

"Women play different roles like traditional, political, economical, moral in the world".

Women empowerment means to create equality in all human beings. It shows that women are not a machine, they are also a human being. The purpose is to spread faith in society that women can do anything.

It means only women have power to create, to transform and to nurture. At this time, women have many opportunities to gain respect in their life. Women empowerment means to aware them about all the rules that govern them and rights they can avail and duties they have to fulfill.

Women should know their values that they deserve a respectful life. At last I want to say that without a woman, a family is incomplete. When a family is incomplete without a woman then the World is also incomplete without her.

"Besides a mother, a sister, a daughter and a wife, she has her own identity- she is a Woman who is capable of creating wonders if she wills."

Simran

B.A-III (Eng. Hons.)



# मेरी मां

नौ महीने तूने रखा कोख में

मां तूने मुझे बड़े चाव से पाला था  
गिरने-पड़ने दिया नहीं मुझे

मां, हर कदम पर तूने मुझे संभाला था  
जब हम सोते थे तेरी गोद में सिर रखकर

मां, वह समय ही निराला था  
मुझे नहीं होना बड़ा

मां, तेरी गोद वाला बचपन ही प्यारा था।

हजारों गम हो फिर भी

मैं खुशी से फूल जाता हूं  
जब हंसती है मेरी मां  
तो मैं हर गम को भूल जाता हूं  
वह बिन बताए

मेरी हर बात जान लेती है  
मां तो मां होती है दोस्त

वह हमारी मुस्कुराहट में भी गम पहचान लेती है।

भुलाकर नींद अपनी सुलाया हमको

गिरा कर आंसू अपने हंसाया हमको

दर्द कभी मत देना उन हस्तियों को  
खुदा (भगवान) ने मां-बाप बनाया जिनको।

उसके चेहरे की हंसी देखकर  
मैं हर गम को भूल जाता हूं  
जब सोता हूं उसकी गोद में सिर रखकर  
मैं अपने आप को जन्नत में पाता हूं  
मैं कभी नहीं पूछता पत्थरों को  
सच में मैं अपने मां बाप को ही भगवान बताता हूं।  
के धूप में भी

ठंडी छांव बरगी है वा  
प्यारे तो बहोत हैं दुनिया में  
पर मैंने सबते प्यारी लागे हैं मां।

Manisha Khatkar

B.Com.- III (A)



# Life Failures

"

"We have to fail...  
We have to fail for Success..."

Failure is the beginning of Success.  
We, in our daily life, seek for Success  
but doesn't want to accept failures.  
Despite of knowing the fact  
that failure is the primary step  
for the stairs of Success.

Everyone should take Failures  
as the part of Success  
and instead of getting depressed,  
we should take it as a motivation  
to move ahead in our lives.

Failure is a thing...  
which makes Success more joyful and pleasing.

"Failure makes Success loud"  
Failure is a beautiful journey  
and we should enjoy it  
as every small failure ensures a Success.  
So, Let's celebrate the Failures...

Anshu Singh  
B.A-III (Eng. Hons.)

# Voice of Woman

I am the beginning, I am the end

I am the power, why do you see me weak?

I am the creator, why do they make me end?

I am the guru, why do you often teach?

That you are a woman, you are a woman..

I am a giver, why does the woman repeatedly tell?

I create the world, why only the world learns to live with me,  
because i am a woman, I am a woman....

Ravina

B.A-III (Eng. Hons.)



# PERFECT OF THE PERFECT....

Perfect Educator - Incident  
Perfect Scholar - Struggle  
Perfect Edition - Growth  
Perfect Period - Humility  
Perfect Action - Commitment  
Perfect Meal - Concept  
Perfect Outfit - Smile  
Perfect Home - realism  
Perfect Cure - Laugh  
Perfect Relation - Devotion

**Bhavya Bhutani**  
**B.A-III (Eng. Hons.)**



# Women empowerment in India

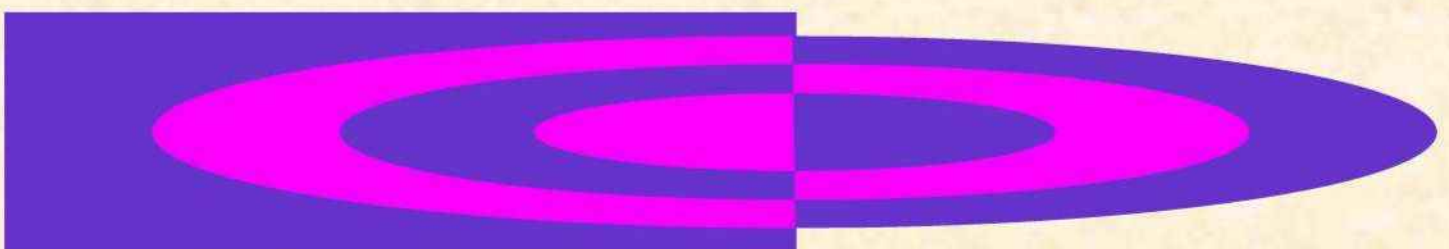
India has long been a country of stark contrasts, with great wealth and abject poverty existing side by side. Over the past few years, however, India has made significant strides in both reducing poverty and empowering women. One area where this is particularly evident is in the rural sector, where women have long been marginalized. Indian women have started working to empower themselves economically and bring change to their communities. Women empowerment is not only happening in urban parts of India but in rural India also. There are many villages where women were not even allowed to go out of the house, leave alone or participate in economic activities. There are various factors for this such as poverty, illiteracy, lack of awareness, and social customs and traditions. But today's Indian Woman has changed and is initiating towards development. Rural women are quite capable of contributing to the economy if they are given the opportunity. They are being involved in activities such as , handicrafts production, textile industry and others. The government came up with many schemes and programmers to empower rural women economically which proved to be very useful to the community.

Women's economic participation is necessary for the development and empowerment of women. It is also the most effective way to break the cycle of poverty. This article highlighted the importance of women's economic participation in India and showcased the work being done to empower women economically in



the rural sector. The women in rural India are working to improve their economic situation, and while there is still a lot of work to be done, they are making progress.

**Bhavya**





## महिलाओं के विरुद्ध हिंसा

भारत आज अनेक समस्याओं का सामना कर रहा है। जिनमें से एक है महिला के विरुद्ध हिंसा। आज के समय में सह समस्या कम होने की जगह के हर दिन बढ़ती जा रही है। फलस्वरूप आज भारत महिला उत्पीड़न के मामलों में भीषण पर है। महिला हिंसा तीन प्रकार की होती है। अपराधिक हिंसा, घरेलू हिंसा, सामाजिक हिंसा । बालात्कार हत्या, अपहरण अपराधिक हिंसा के अंतर्गत आते हैं। दफ्तर या घर में दहेज के लिए मारना, यौन भोशण, पत्नी से मारपीट, बदसलूकी जैसी घटनाएँ घरेलू हिंसा का उदाहरण है। लड़कियों से छेड़-छाड़, पत्नी को भ्रूण हत्या के लिए मजबूर करना, विधवा महिला को सती प्रथा के पालन करने कलए दबाव डालना आदि सामाजिक हिंसा के अंतर्गत आते हैं। दिसंबर 2017 को इंडियास्पेंड की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2016 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के प्रति घंटे औसतन 34 मामले दर्ज किए गए। साल 2007 में यह संख्या मात्रा 21 थी। सरकार ने साल 2015-16 में कराए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संरक्षण सर्वेक्षण (NFHS-4) में इस बात का जिक्र किया गया है कि भारत में 15-49 आयु वर्ग की 30 फीसदी महिलाओं को 15 साल की आयु से ही भारीरिक



हिंसा का सामना करना पड़ा है। कुल मिलाकर NFHS-4 के अनुसार उसी आयु वर्ग की 6 फीसदी महिलाओं को उनके जीवनकाल में कम से कम एक बार यौन हिंसा का सामना करना पड़ा है। भारत सरकार के इतने प्रयासों के बाद भी महिलाओं के खिलाफ अपराध कम नहीं हो पा रहे हैं। इसके मुख्य कारण हैं:- पुरुषवादी, मानसिकता, इंटरनेट पर उपलब्ध अ लील सामग्री, न्याय में देरी आदि। हमारे समाज में शुरुआत से ही पुरुशों के मन में ये मानसिकता बिठा दी जाती है कि वे पुरुश किसी से डरता नहीं है तथा स्त्रियों को सिखाया जाता है कि उन्हें हमें अपने पति के हिसाब से रहना होगा। जिसके कारण महिला उत्पीड़न की समस्या उत्पन्न होती है। जब इंटरनेट का आविश्कार किया गया था तो बोला गया था कि इसे सूचनात्मक ज्ञान बढ़ाने का साधन बताया गया था। परंतु आज इंटरनेट का 80 फीसदी प्रयोग मनोरंजन का अ लील सामग्री देखने में हो रहा है। इसका एकमुख्या कारण हमारी न्यायिक व्यवस्था भी है। न्यायालय एक केस सालों तक चलता रहता है। जिस से महिला हिंसा को बढ़ावा मिलता है। : महिला के खिलाफ समस्या को लेकर सरकार ने भी कई कदम उठाए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने कई प्रावधान भी लागू किए हुए हैं। (रोकथाम, निशेध और निवारण) अधिनियम, 2013



घरेलू हिंसाओं से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2015 ,दहेज निशेध अधिनियम, 1961 महिला हिंसा को रोकने के लिए समाज की सोच में बदलाव लाना जरूरी है। सभी को पुरुष और स्त्री के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। घर के बच्चों को भी समानता का पाठ सिखाया जाना चाहिए। सरकार को भी इसकी तरफ कदम उठाना चाहिए और ऐसे जगहों पर जहाँ ऐसी घटनाएं संभवतः अधिक होती हैं सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाने चाहिए व ड्रोन की सहायता से निगरानी रखवानी चाहिए। इसी तरह हम सबको मिल कर कदम उठाना चाहिए तथा महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने में अपना योगदान देना चाहिए।

**Pinki**  
**B.A. 1st**



# IIT JAM

IIT JAM is the exam conducted by Indian Institute of Technology. As you are reading this article, so it means you are interested in science and taking admission in IIT is the dream of every science student. Most of the students started preparing to get admission in their dream Institute from class 12th. They want to clear JEE and get admission in IIT but most of them are unable to fulfill their wish. So they take admission in BSC (Bachelor of Science). But their race don't stop here because they have one more chance to take admission in their dream Institute and this chance will come after 3 years. If you want to do MSc (Masters in Science) then you may also be familiar with this exam i.e. IIT JAM. Some students even started to prepare for this exam from the first year of their college life and some of them start preparation for this just before 3-4 months. I think there is equal probability of both of them to clear this examination because you don't need vast study for this, you just need focused and limited study plan. The only thing which help in clearing this exam is consistency. By clearing IIT JAM you are eligible to take admission in this prestigious Institute. This exam is conducted in 7 subjects which are as follows: Physics, chemistry, mathematics, biological science, biotechnology, zoology and mathematical statistics. Each subject and their respective course have their different eligibility criteria. So you have to check it on official website. The sole purpose of this examination is to offer an opportunity for those who are looking for world class educational facilities to pursue their Masters in science



**Richa Rani**  
B.Sc. (NM) III Year



# Effect of nuclear procedure on life

In comparison to other traditional fossil fuels as energy sources, nuclear power produces enormous amount of energy. No other source of energy can produce such amount of power from a very small quantity of material. It has been estimated that only 1 ton of uranium produces energy equivalent to the energy produced by 5 million tons of coal. Though, building of nuclear reactor and other installation costs are very high, operative cost and per unit energy production cost and other recurring expenses are very low in nuclear power. But while establishing nuclear power station much care is necessary because not only generation but its waste is also one of the greatest threats to the environment. As a power source, nuclear energy can run uninterrupted for more than a year without disruption, even during difficult weather conditions. The refinement of a nuclear weapon is similar to this advantage. Once installed, the delivery platform reliability of the weapon is strong. A nuclear weapon is a device designed to release energy in an explosive manner as a result of nuclear fission, nuclear fusion, or a combination of the two processes. The Effects of Nuclear Weapons Blast, thermal radiation, and prompt ionizing radiation cause significant destruction within seconds or minutes of a nuclear detonation. The delayed effects, such as radioactive fallout and other environmental effects, inflict damage over an extended period ranging from hours to years.

Name-Vaishali  
Rollno. - 3055120066  
Class- BSC (NM FINAL)



# DEPRESSION

Now these days , depression is a major disease. This disease is highly effected not only children, but also elders. This diseases starts in teenage life of child and this never ends till their death. Roughly 56 million Indian suffer from depression. Ukraine has highly rate of depression at the rate of 6.3 percent. The least depressed is Japan, with a diagnoses less than 2.5 percent. The main reason of students depression is lack of sleep ,poor eating habits ,and not enough exercise. 61 percent of college students are at risk of developing clinical depression.

Role of Parents in curing depression

.Stay in touch

- > Mistakes Happen.....
- > Don't Pressure them
- > Avoid too Much advice.....
- > Give space.....

In short , I really want to talk to someone about my thoughts and feeling **but** I can't. So we need to talk someone about our feelings because this is the best key to get out of depression.

Vanshika Kapoor

B.COM. 2nd



# होलिका

होलिकोत्सवः सर्वजनानां कृते प्रियः उत्सवः अस्ति। पुरा हिरण्यकशिपुः नाम राजा अभवत्। तस्य पुत्र प्रह्लादः ईश्वरः भक्तः अभवत् । हिरण्यकशिपुः स्वपुत्रं मारयितुं अयतत। परन्तु प्रह्लादः ईश्वरप्रसादेन सुरक्षितः आसीत्। हिरण्यकशिपुः स्वभगिनीं होलिकां प्रह्लादस्य वधस्य कृते न्ययोजयत्। अग्नौ होलिका तु भस्मसात् अभवत् । परं प्रह्लादः सुरक्षित आसीत्। अन्ते च भगवान् नृसिंहः हिरण्यकशिपुम् अमारयत्। होलिका दहनमुदिश्य होलिकात्सवः प्रारभत।

अयमुत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां मन्यते। होलिकोत्सवे जनाः परस्परं रङ्गरन्जितम् जलं प्रक्षिपन्ति। जनाः उत्सवाः वस्त्रे नृत्यन्ति गायन्ति च। आबालवृद्धाः हास्यव्यंग्यं संलापान् कुर्वन्ति। अतः इदं पर्व मानवानां कृते अद्वितीयं उपहारः अस्ति।

Pinki

Class. B.A. Final

Rollno. 2953620252



# "वेदाः वदन्ति"

भारतीय परम्परायां चत्वारः वेदाः अपौरुषेयाः मन्यन्ते ।

वेदेषु निर्धान्तं ईश्वरीय ज्ञानं विद्यते । मनुष्याणां कल्याणार्थम्  
अत्र सर्वाङ्गीणं ज्ञानं विद्यते ।

तद् यथा-

ईश्वरः सर्वत्र अस्ति । सः प्राणिनां सर्वान् कर्मान् जानाति  
यथायोग्यं च फलं ददाति । अतः तेन प्रदत्ताः सर्वे भोगाः  
त्यागभावेनैव भोग्याः सन्ति । कस्यचिद् धनस्य लोभः न  
कर्तव्यः ।

तथा च वेदेषु कथितम्- विश्वानि दुरितानि व्यक्तव्यानि, सद्गुणकर्म  
स्वभावाश्च ग्रहणीयाः । वेदेषु सर्वे प्राणिभिः सह मित्रवत्  
व्यवहारस्य उपदेशः अस्ति । न वेदाः साम्प्रदायिकाः ।  
एते सर्वेभ्यः कल्याणकाराः । अतः वेदानां शिक्षा सर्वे आचरणीया  
एव ।

प्रतिष्ठा  
शिक्षा- बी ए द्वितीय वर्ष

# मम् मातृभूमि

"जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गदापि गरीयसी।

मातृभूमि जन्मतः आरभ्यः मृत्युपर्यन्तम्

अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति।

' माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्या '

इति वेदवाक्यम् अस्ति।

मातृभूमि सर्वैः नरैः वन्दनीया भवति।

येन-केन- प्रकारेण मातृभूमेः रक्षणं करणीयम्।

Ritu  
B. A. 1st year  
1210631002163



# प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्  
बहूनाम् अपि फलानाम्  
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्  
पुष्पाणाम् चापि मातेयम्।  
भ्रमराणां, पशूनां,  
पक्षिणां च मातास्ति  
जनेभ्यः जीवनं सदा  
ददाति प्रकृतिः माता॥  
अस्ति सा तु मनोहरी  
मातृणाम् अपि मातास्ति  
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्  
नमोऽस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै॥

Renu  
B. A. 1st year  
1210631002037

# A Glimpse of Activities



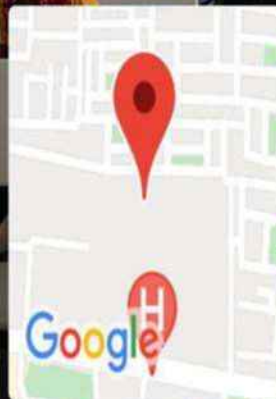
# Department of English

## Essay Writing Competition

A  
C  
T  
I  
V  
I  
T  
Y



GPS Map Camera



Jind, Haryana, India

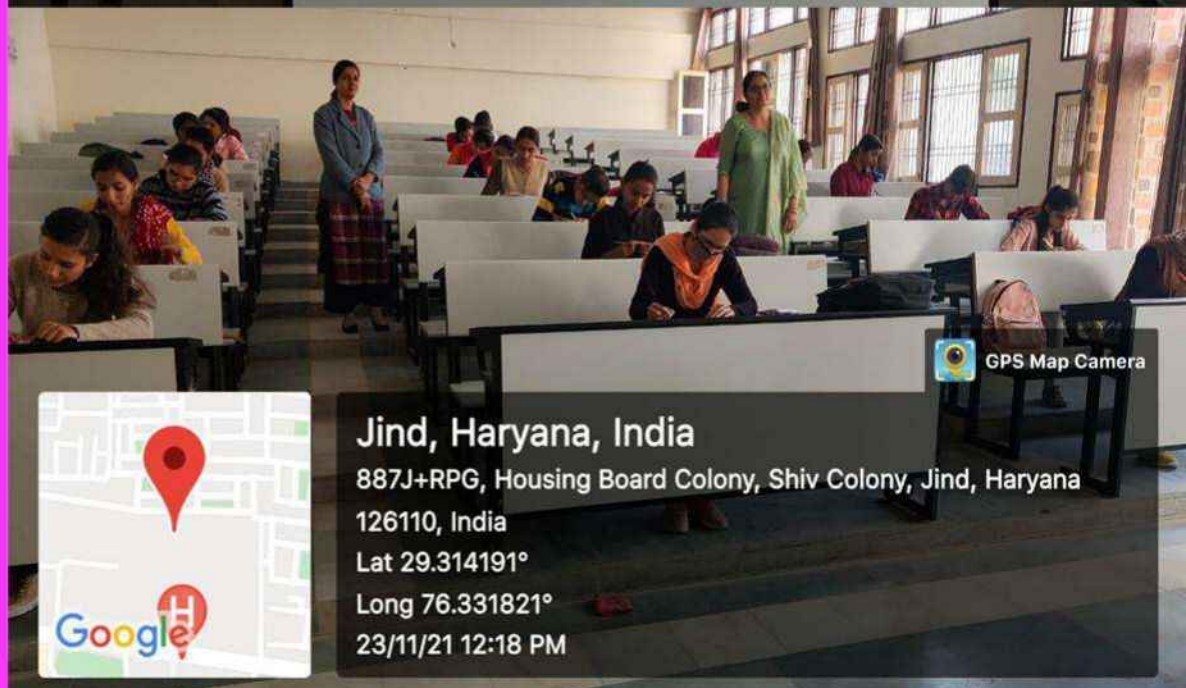
887J+RPG, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana

126110, India

Lat 29.314189°

Long 76.331822°

23/11/21 12:20 PM



GPS Map Camera



Jind, Haryana, India

887J+RPG, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana

126110, India

Lat 29.314191°

Long 76.331821°

23/11/21 12:18 PM



# State Level Online Quiz

## Department of English

Memo No. 245



**Priyadarshini Indira Gandhi Govt. College for Women Jind (Haryana)**

Affiliated to Chaudhary Ranbir Singh University, Jind (Haryana)

State Level Online Quiz on English Grammar and Literature in English  
Organised by Department of English on 31/01/2022

### RESULT

Sr. No.	Participant's Name	Class	Roll No.	Institution Name	Position
1.	Aanandita	B.Sc. (Med.) 1st Year	1210751030124	Pt. CLS Govt. College, Karnal	First
2.	Sneha Jain	B.A. English Hons. 3rd Year	3149420022	Dayal Singh College, Karnal	Second
3.	Disha	B.Sc. Biotech, 1st Year	1212433050007	GVM Girls College, Sonapat	Third

Smt. Vijeta Narwal  
HOD, Dept. of English  
P.I.G.G.C.W. Jind

Sh. Anoop Mor  
Convener

Sh. J.N. Gehlawat  
Principal  
P.I.G.G.C.W. Jind



Visit us at  
<http://www.priyadarshiniindia.ac.in>  
Quiz Date: 31<sup>st</sup>  
January, 2022  
Quiz Time: 12:00pm  
to 12:35pm

**Priyadarshini Indira Gandhi Govt. College for Women, Jind (Haryana)**  
(Affiliated to Chaudhary Ranbir Singh University, Jind (Haryana))

Department of English  
Organises

State Level Online Quiz

English Grammar and Literature in English

For all UG Students Studying in Colleges and Universities of Haryana

#### Important Dates:

- 25/01/2022: Commencement of Registration
- 30/01/2022: End of Registration
- 31/01/2022: Online Quiz from 12:00pm. to 12:35pm.
- 03/02/2022: Result Declaration.

#### Instructions:

- Registration is mandatory for all participants. To register click <http://www.priyadarshiniindia.ac.in>
- After Registration participants must join Whatsapp Group by clicking on the link given below:  
<https://chat.whatsapp.com/H84J8W7C81oCNP013W0e0n>
- Link of the quiz will be shared only in Whatsapp Group.
- Participants have to attempt 60 MCQs in 35 minutes.
- In case of equal score, earliest respondent will be preferred.
- E—certificates to all who secure 60% marks.
- Only UG students will be entertained.

1<sup>st</sup> Prize: Rs. 500  
2<sup>nd</sup> Prize: Rs. 300  
3<sup>rd</sup> Prize: Rs. 200

Smt. Vijeta Narwal  
HOD, Dept. of English  
GCW, Jind

Sh. Anoop Mor, Assistant Professor, Convener  
Sh. Ram Mehar Singh, Asst. Prof., Collaborator

Sh. J.N. Gehlawat  
Patron and Principal  
GCW, Jind



# Visit to book Exhibition at CRSU, Jind

## Department of Computer-Science

9  
S  
e  
p  
t  
e  
m  
b  
e  
r  
2  
0  
2  
1





# Science Exhibition

## Department of Computer-Science

27  
28  
29  
30  
31  
1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31



GPS Map  
Camera Lite

887J+GJX, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana 126102, India

Latitude  
29.3136697°

Longitude  
76.3317484°

Local 12:44:36 PM  
GMT 07:14:36 AM

Altitude 186.01 meters  
Saturday, 27-11-2021



GPS Map  
Camera Lite

887J+GJX, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana 126102, India

Latitude  
29.31366392°  
Local 12:44:49 PM  
GMT 07:14:49 AM

Longitude  
76.33174385°  
Altitude 189.6 meters  
Saturday, 27-11-2021



# One-Day Workshop on theme "ESPIRE 2K22"

## Department of Computer-Science

1st Jan 2022





# Department of Economics

## Quiz competition

A  
C  
T  
I  
V  
I  
T  
Y





# Department of Physics

## Science Quiz organised on 27.11.2021

ACTIVITY





# Department of Physics

## State Level Online Physics Quiz organised on 08.02.2022



**P. I. G. GOVT. COLLEGE FOR WOMEN, JIND**

(AFFILIATED TO C. R. S. UNIVERSITY, JIND, HARYANA)

**DEPARTMENT OF PHYSICS**

**organizes  
State Level Physics Quiz Competition (Online)**

**Organizers**

**Patron:**

**Sh. Jainarain Gahlawat  
(Principal)**

**Convener:**

**Dr. Manoj Kumar  
(HOD, Dept. of Physics)**

**Organizing  
members:**

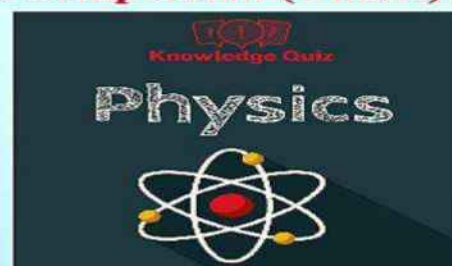
**Dr. Manju Sharma  
Dr. Ramesh Kumar  
Ms. Ankita  
Ms. Priyanka**

**For Queries Contact:  
91-9812505090**

**Time of Quiz:  
10:00 AM to 10:15AM**

### Rules

- ✓ Competition is for all UG Science students only.
- ✓ Maximum time limit : 15 minutes.
- ✓ There will be no negative marking.
- ✓ Quiz link (with time of quiz) will be available on whatsapp group. Whatsapp group link is given in registration form.
- ✓ Registration is must for every participant (link given)
- ✓ <https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfkHlYtkaCdaptt8qo3IYoe6-222GS8IXtpcIWUV7owcaK-LzA/viewform>
- ✓ E-Certificates will be issued to the winners.



**Last Date of Registration : Feb 7, 2022  
Date of Quiz Competition : Feb 8, 2022  
Result Declaration : Feb 8, 2022**

**First Prize: Rs. 500  
Second Prize: Rs. 300  
Third Prize: Rs. 200**



**P. I. G. GOVT. COLLEGE FOR WOMEN, JIND**

(AFFILIATED TO C. R. S. UNIVERSITY, JIND, HARYANA)

**A+ GRADE BY PRAYAAS**

**Online (open book) State Level Physics Quiz  
organized by**

**Department of Physics on Date 08.02.2022**

### Results

In this quiz 153 students had registered from the entire state Haryana. 113 students successfully submitted their response within the given time. The top positions to whom the merit certificates will be issued are given below:

Position	Name	College Name	Class	Roll No
1	Priyanka	Govt. PG College for Women, Rohtak	B.Sc III	3039420164
2	Muskan	P.I.G. Govt College for Women, Jind	B.Sc. III	3055120006
3	Sarita	K.M. Govt. College Narwana	B.Sc. I	002

**Dr. Manoj Kumar  
(Convener & HOD, Dept. of Physics)**

**Sh. Jainarain Gahlawat  
(Principal)  
Date : 08.02.2022**



# First Position at State Level

## A woman with a white headscarf and a pink shirt stands in front of a bookshelf. She is wearing a red sash with yellow Sanskrit text. Her hands are clasped in front of her. The background shows shelves filled with books.

B.A.2, ROLL NO.212



# Science- Exhibition

## Department of Geography

27 November 2021





# Department of Botany

## Science Exhibition

ACTIVITY



Jind, Haryana, India

887J+RPG, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana

126110, India

Lat 29.314126°

Long 76.331931°

27/11/21 02:18 PM

कॉलेज पहुंचने पर किया गया जोरदार स्वागत



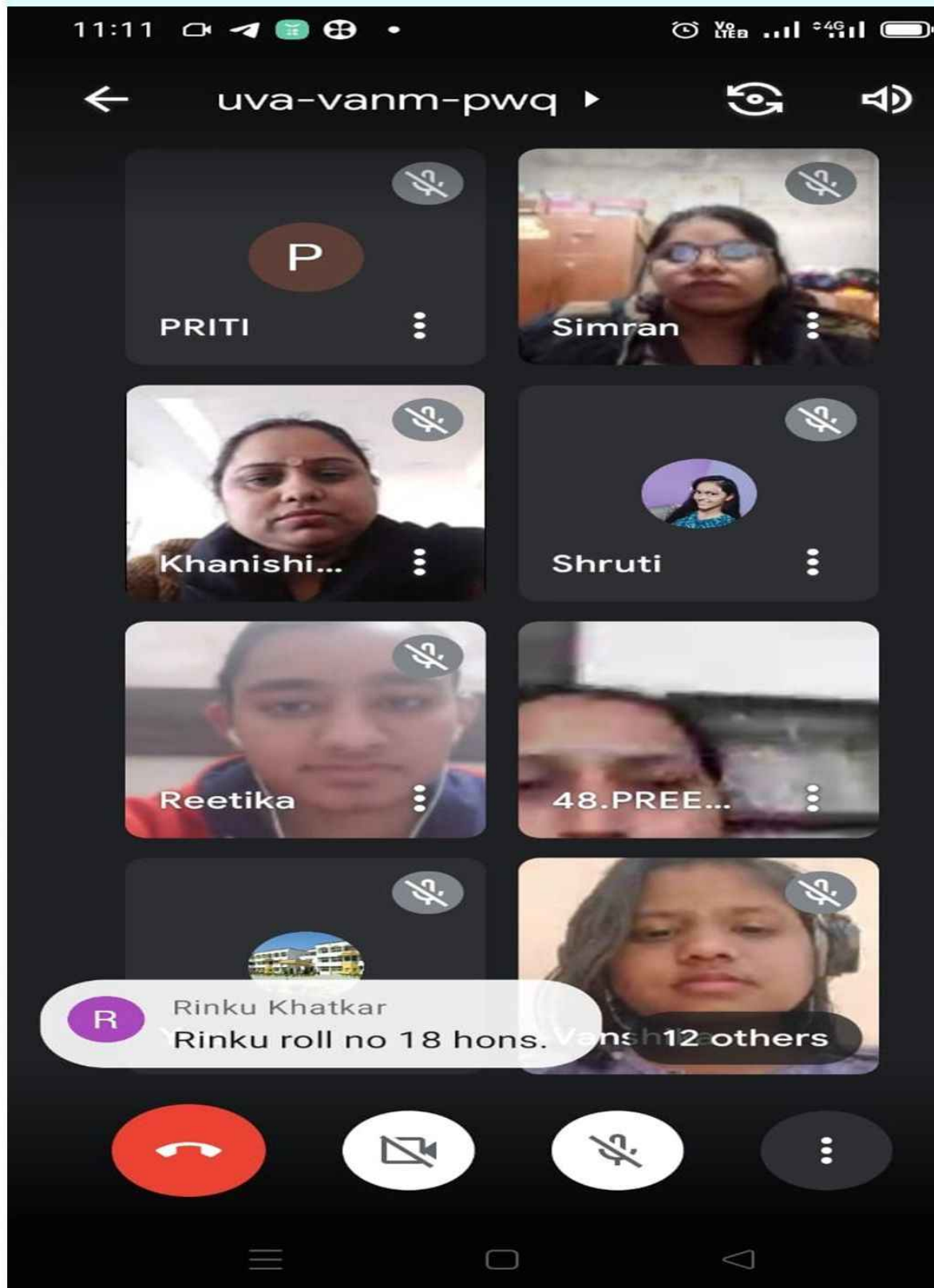
राजकीय महिला कॉलेज का वनस्पति विभाग मॉडल तीसरे स्थान पर रहा। तमन्ना और मनी द्वारा बनाया गया मॉडल हाइड्रोपोनिक्स पर आधारित रहा। इसके साथ रसायन विज्ञान विभाग से प्रिया और शीतल को सर्वोत्तम व्याख्याता का पुरस्कार मिला। महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य जयनारायण गहलावत, पूर्व प्राचार्य राजेश्वरी कौशिक, भूगोल विभाग से अजीत सिंह, विज्ञान व वनस्पति विभाग से संजय अरोड़ा, भौतिकी विभाग से डा. मनोज, रसायन विभाग से गुरदीप कंप्यूटर विभाग से ईशा जैन ने छात्राओं की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

राजकीय महिला कॉलेज की छात्राएं रसायन विभाग के प्रारंभिक प्रयोगों में भाग लीं।

दशर छात्राओं को किया एडस के

# Declamation Contest

## Dept. of Commerce





# Orientation programme organized by IQAC

Orientation programme





# Plantation on the occasion of National Library Day





# Not Me But You



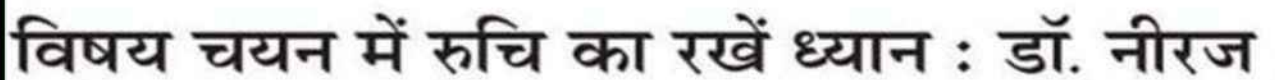


# Not Me But You





**How to**



A large group of children, mostly girls, are seated in rows in a classroom. They are looking towards the camera. A man in a yellow shirt and dark pants is standing in the aisle, facing the children. The room has posters on the wall and a whiteboard.

छात्राओं को अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। इस अवसर पर अल्पना शर्मा, डॉ. सुमीता आसरी, विक्रम गुप्ता व मनीषा भी मौजूद रहे।



# Youth Red Cross Celebrating World Health Day

7  
A  
p  
r  
i  
l  
  
2  
0  
2  
2



Jind, Haryana, India  
887J+RPG, Housing Board Colony, Shiv Colony,  
Jind, Haryana 126110, India  
Lat 29.31415°  
Long 76.331741°  
07/04/22 11:10 AM

GPS Map Camera



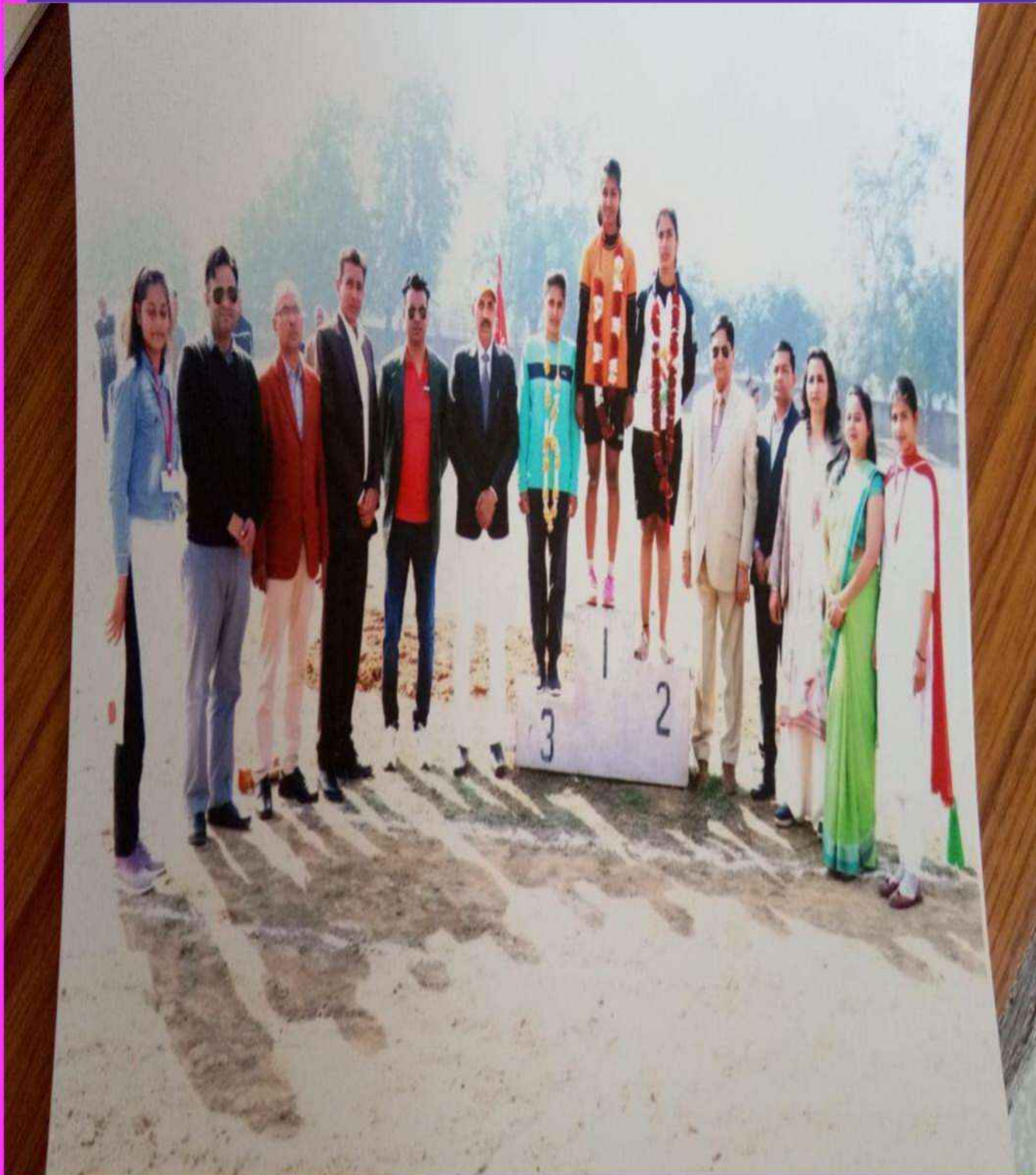
24 September 2021





# Annual Athletic Meet

Best Athlete



Best Athlete Parkashwati in Annual Athletic Meet with Chief guest Dr. A. K. Chawla, principal and worthy staff members



# Annual Athletic Meet



Flag Hoisting by worthy Chief guest Dr. A. K. Chawla during Annual Athletic Meet



# Glorious Moment

## कजाकिस्तान में देश की महिला टीम ने जीता स्वर्ण पदक

जींद, संजय शर्मा (पंजाब केसरी): कजाकिस्तान में हुई 16वीं एशियन जूनियर महिला हैंडबाल प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस टीम ने हरियाणा की 6 छात्राओं ने भाग लिया था। इनमें राजकीय महिला कॉलेज की दो छात्राएं कुमारी प्रियंका और कुमारी मीनू ने भाग लेकर खास प्रदर्शन करके टीम को जीत



हासिल कराने में अहम रोल अदा किया। महाविद्यालय प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने बताया की यह उपलब्धि असाधारण व अविस्मरणीय है क्योंकि यह उपलब्धि सच्ची लगन, निष्ठा एवं अनुशासन के बिना प्राप्त करने की कल्पना नहीं की जा सकती। इस

मौके पर डॉ. राजेश बूरा, डॉ. संगीता, डॉ. सुमिता आशरी, एसोसिएट प्रोफेसर विजेता नरवाल, एसोसिएट प्रो. नरेन्द्र कुमार, एसोसिएट प्रो. जितेन्द्र कुमार, सहायक प्रो. अनूप मोर, सहायक प्रो. अल्पना शर्मा आदि ने छात्राओं के उपलब्धि की भूरी-भूरी प्रशंसा की।





# Sports- Achievements

K  
U  
D  
O  
S



Gold medal winner kho-kho team in inter college kho-kho championship with team incharges Dr. Rajesh Boora and Dr. Sangeeta



Gold medal winner team In North zone and All India inter university Handball championship with Principal and worthy staff members



# Cultural- Events

T  
a  
l  
e  
n  
t  
  
S  
h  
o  
w





# Educational Tour to Jaipur

11 to 14 Feb 2022





# Women Cell Activities





# Women Cell Activities





# News Section

## विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन बीमारी से बचने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी

विश्वीय स्तर पर

विश्व में कैंसर को विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या माना जाता है। कैंसर को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करना जरूरी है। विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।



विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

इस कार्यक्रमों के दौरान जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।

कैंसर को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।

## राजकीय महिला कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस घोषित

जींद। राजकीय महिला महाविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या राजेश्वरी कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसे प्रयास में ए प्लस ग्रैंड और नेक में जिले भर में बेहतरीन ग्रेड मिला है।

## मोनो एक्टिंग में सुषमा रही प्रथम और नैसी द्वितीय



जींद के राजकीय महिला कॉलेज में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।

## छात्राओं ने टैलेंट शो में 52 गज के दामन समेत हरियाणवी गानों से बांधा समां

डांस में भव्या, गायन में मनीषा, मोनो एक्टिंग में सुषमा प्रथम

महेश्वरी न्यूज | जींद

राजकीय महिला कॉलेज में दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम में छात्राओं को अंतिम दिन छात्राओं ने 52 गज के दामन, मधुरी पट्ट जैसी समेत हरियाणवी गानों पर डांस कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में छात्राओं के प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में छात्राओं के प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



जींद, राजकीय महिला कॉलेज में आयोजित टैलेंट शो के दौरान छात्राओं का प्रदर्शन

कैंसर को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।

## के पहले दिन दिया अनुशासन



जींद, राजकीय महिला कॉलेज में आयोजित टैलेंट शो के दौरान छात्राओं का प्रदर्शन

कैंसर को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सावधानी व सतर्कता जरूरी है।







7-8 October 2021





# NAAC PEER TEAM VISIT

## Glorious Moments

NAAC  
PEER  
TEAM  
VISIT





# Certificate of Appreciation

Grade B  
by  
NAAC



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद  
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान  
**NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL**  
*An Autonomous Institution of the University Grants Commission*

## *Certificate of Accreditation*

*The Executive Committee of the  
National Assessment and Accreditation Council  
is pleased to declare the  
Priyadarshini Indira Sandhi  
Government College for Women, Jind  
Sohana Road, Dist. Jind, affiliated to Chaudhary Ranbir Singh University,  
Haryana as  
Accredited  
with CGPA of 2.19 on four point scale  
at B grade  
valid up to October 19, 2026*

*Date : October 20, 2021*



*S. C. Sharma*

*Director*



30 November 2021

# Indelible Moments

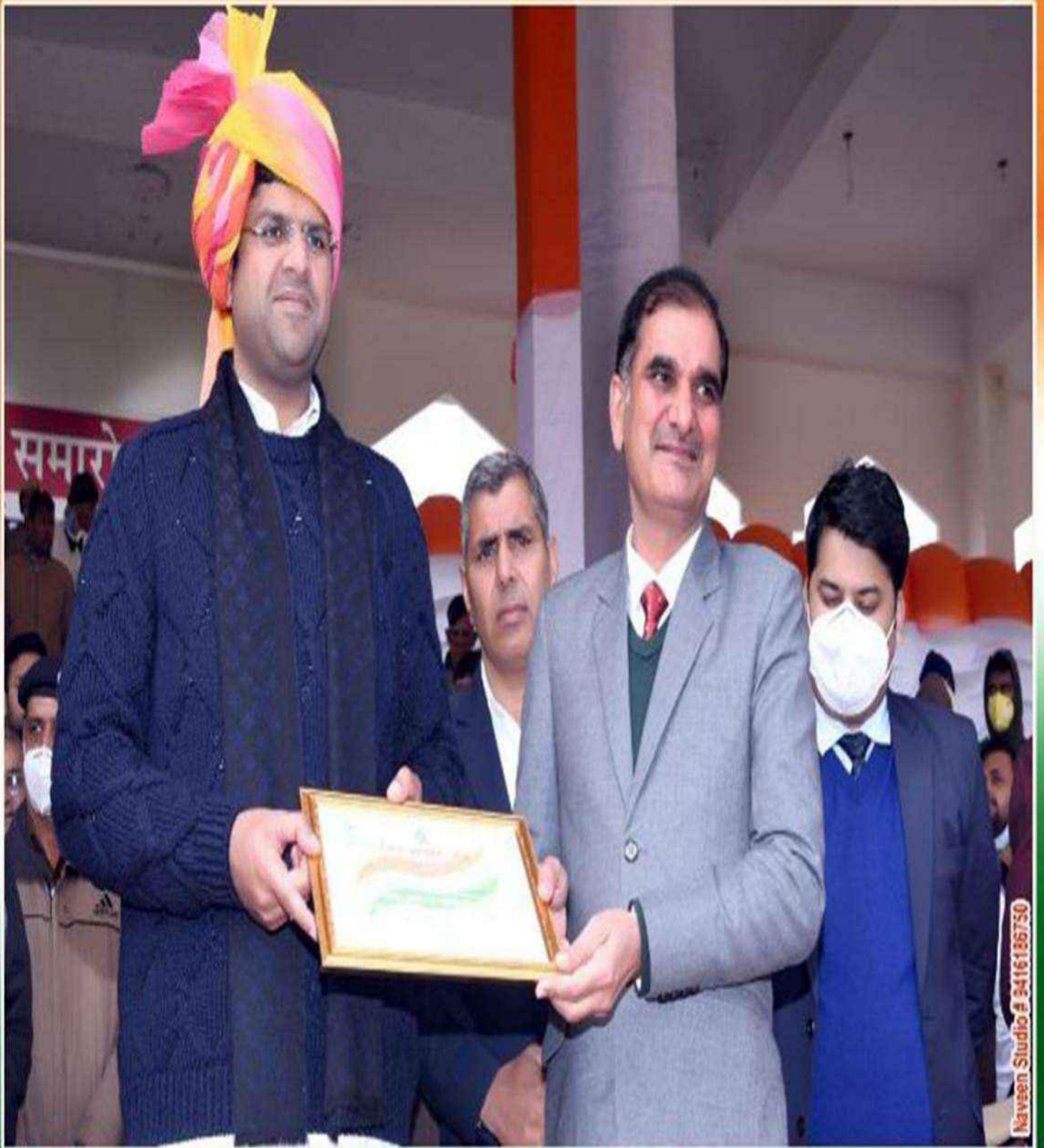
## Retirement Day of Principal Madam

### Smt. Rajeshwari Kaushik





# 73वां गणतंत्र दिवस समारोह



श्री महीपाल खटकड़ (वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष) राजकीय महिला महाविद्यालय, जीन्द को सम्मानित करते हुए श्री दुष्यंत चौटाला (उप मुख्यमंत्री) हरियाणा



# Indelible Moments

## Retirement Day of Shri Mahipal ji, Senior Librarian

28 FEB - 2021





# Indelible Moments

## Retirement Day of Sh. Satish Boora Ji

28 FEB - 2021







# ANAHITA

## Family of G.C.W. Jind

